जांच की पड़ताल : उच्च स्तरीय जांच दल की रिपोर्ट में संविदाकार पर सितम, एसडीओ पर रहम?

लोक निर्माण विभाग सीधी अंतर्गत ढोंगा मेरटोला से जमुवा नं. 2 मार्ग के निरीक्षण में जांच दल को मिली कमियों पर सिर्फ संविदाकार को नोटिस जारी करने को लेकर खड़े हो रहे सवाल

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अगस्त। लोक निर्माण विभाग सीधी अंतर्गत ढोंगा मेरटोला से जमुवा नं. 2 मार्ग के निरीक्षण में जांच दल को मिली कमियों पर सिर्फ संविदाकार को नोटिस जारी करने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। जांच की पड़ताल में उच्च स्तरीय जांच दल की जांच में संविदाकार पर सितम, एसडीओ पर रहम क्यों की जा रही है?

लोक निर्माण विभाग के उच्च स्तरीय जांच दल द्वारा लोक निर्माण विभाग संभाग सीधी के अंतर्गत ढोंगा मेरटोला से जमुवा नं. 2 मार्ग लम्बाई 3.30 कार्य का दिनांक 23 जुलाई 2025 को संविदाकार ऑरटेक्स इंजीनियरिंग साल्यूशन मझौली के समक्ष निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण अधीक्षण यंत्री दिलीप विगोनिया शहडोल एवं एस.एल. सूर्यवंशी चीफ इंजीनियर ग्वालियर द्वारा सीधी के पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के समक्ष की गई। निरीक्षण के पश्चात जांच रिपोर्ट मिलने पर मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग रीवा द्वारा संविदाकार को कारण बताओ सूचना पत्र क्रमांक 4132, दिनांक 24 जुलाई 2025 को भेजकर 15 दिवस के भीतर जवाब तलब किया गया है। जवाब ना मिलने पर एकपक्षीय कार्यवाई करते हुये संविदाकार का पंजीयन निलंबन/काली सूची में डालने की कार्यवाई शुरू करने की चेतावनी भी दी गई।

उक्त कार्यवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि मार्ग के निर्माण में कमी मिलने पर क्या सिर्फ संविदाकार की जिम्मेदार है। एसडीओ सुश्री स्तुति गौतम पर रहम बरती जा रही है। जबकि एसडीओ के ऊपर भी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण एवं परख करने की जिम्मेदारी प्रथम दृष्टया होती है। एसडीओ को अपने क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का नियमित रूप से जायजा लेना चाहिये और यदि उसमें कमियां हैं तो उसका सुधार भी फौरी तौर पर कराना चाहिये। वरिष्ठ इंजीनियरों की जांच में यह स्पष्ट हो चुका है कि साइट पर निर्माण कार्यों की निगरानी करने एवं गुणवत्ता को जांचने की जिम्मेदारी जिन विभागीय अधिकारियों के ऊपर थी वह पूरी तरह से लापरवाह रहे हैं। उनके द्वारा निर्माण कार्य की जिम्मेदारी पूरी तरह से संविदाकार को सौंप दी गई थी और अब जांच की आंच आने पर संविदाकार एवं उपयंत्री को मोहरा बनाया जा रहा है।

जांच में मिली कमियों पर एक नजर...

लोक निर्माण विभाग सीधी अंतर्गत ढोंगा मेरटोला से जमुआ नं .2 मार्ग के निरीक्षण में उच्च स्तरीय जांच दल को बड़ी कमियां मिली। इनमें मार्ग के चैनेज 2 हजार में बिटुमिन लेयर की मोटाई 71 एमएम के स्थान पर 61 एमएम पाई गई। सीआरएम+डब्ल्यूएमएम+डीजीबीएम+बीसी की कुल मोटाई 48 सेंटीमीटर के स्थान पर 39 सेंटीमीटर पाई गई। मार्ग के चैनेज 2680 में मार्ग के कैरिजवे में इलेक्ट्रिक पोल है जो हटाया जाय, दुर्घटना हो सकती है। इस प्रकार पोल हटाने में लापरवाही की गई। मार्ग के चैनेज 2990 में केनल के ऊपर क्रासिंग करते हुये एक पाइप पुलिया बनाई गई जो शार्प टर्निंग बनाया है। दो अतिरिक्त पाइप डालकर इसको समाप्त किया जा सकता था। हार्ड सोल्डर में साइड स्लो एवं कम्पेक्शन नहीं पाया गया। मार्ग के लंबाई 3 .30 किमी . के स्थान पर 3 .20 किमी . पाई है।

एसडीओ को बचाने सब इंजीनियर पर गिरी निलंबन की गाज

एसडीओ को बचाने सब इंजीनियर पर निलंबन की गाज गिराई गई है। विभागीय सूत्रों की बात यदि सही मानी जाये तो इस मामले में सत्ता में मजबूत पकड़ रखने वाली पीडब्ल्यूडी मझौली एवं सीधी दो-दो जगह की प्रभारी एसडीओ सुश्री स्तुति गौतम को बचाने के लिए सब इंजी . प्रभात श्रीवास्तव पर निलंबन की गाज गिरी है। जबकि सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों के प्रभाव के चलते प्रमुख जिम्मेदार अधिकारी एसडीओ सुश्री स्तुति गौतम के खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नही होने से जांच की निष्पक्ष कार्यवाही को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इनका कहना है

इस मामले में स्थानीय जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही क्या होगी यह तो जांच दल द्वारा ही सुनिश्चित किया जायेगा।

इंजी .आर .एल .वर्मा, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी परिक्षेत्र रीवा

कुसमी अंचल में बहनों ने भाइयों की राखी से सजाई कलाई

नवभारत न्यूज

कुसमी 10 अगस्त। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन कुसमी अंचल मे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार और जीवनभर रक्षा का वचन दिया।

रक्षाबंधन पर्व शनिवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। निर्धारित मुहूर्त में बहनों ने भाइयों को तिलक लगाया। उनके दाहिने हांथ पर राखी बांधी और आरती उतारी। मिठाई खिलाकर उन्होंने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने बदले में बहनों को रक्षा का संकल्प दिया। साथ ही दक्षिणा और मनपसंद उपहार भी भेंट किए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व की रौनक में डूबे नजर आए। जगह-जगह परिवारों के बीच मिलन का दौर चलता रहा। कई परिवारों में दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन इस खास दिन के लिए घर लौटे। इससे मिलन का माहौल और भी खुशनुमा बन गया।

धूमधाम के साथ टिकरी स्टेडियम में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अगस्त। जिले के ग्राम पंचायत टिकरी के डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम टिकरी में बड़े ही धूमधाम व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

शुरुआत में भगवान बिरसा मुंडा व डॉ.भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर द्वीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जिसमे सीधी एवं सिंगरौली जिले के वक्ताओं ने समाज के उत्थान के लिए अपने उद्बोधन दिए। इस दौरान कलाकारों द्वारा लोक सांस्कृतिक कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। यह कार्यक्रम सुश्री सोनम सिंह कुसरो जिपं अध्यक्ष सिंगरौली के मुख्य आतिथ्य, गोंडवाना गाथा के रचयिता फत्तेबहादुर सिंह मरकाम, डॉ.के.एस.नेताम प्राध्यापक, शंकर सिंह केरमा प्राध्यापक, जनपद अध्यक्ष कुसमी श्यामवती सिंह, रामप्रताप यादव, सेनि. डीईओ रणमत सिंह, विवेक कोल के विशिष्ट आतिथ्य, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव तिलकराज सिंह उइके की अध्यक्षता, पूर्व एसडीओपी लालदेव सिंह कुसरो, एडीपीओ बीरेंद्र सिंह मरावी, पूर्व जिपं सदस्य व आदिवासी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मनोज कोल सेमरिया, एड.राम सिया जायसवाल सरई, मोहन सिंह उइके कुशमहर, एड.अशोक पनिका, महेश वैश्य, शशिकांत, हीरालाल सिंह रिटा. शिक्षक, कृष्णपाल सिंह मोनू गिजवार, सेनि पुलिस अच्छे लाल सिंह, डॉ.राज बहादुर सिंह मरकाम, अवधराज सिंह मरकाम निगरी, श्रीनिवास साकेत, मोहन सिंह, सजन सिंह ओइमा, इंद्रभान सिंह, डॉ.विकट सिंह, सूर्यप्रताप सिंह सूर्या, ललित केवट, प्रेमलाल बैगा कमछ, अमीर सिंह बड़वाही, युवा नेता धौहनी विस. कनक सिंह नेटिया खड़ौरा, छोटेलाल सिंह रिटा. लाइन इस्पेक्टर टमसार, गणेश सिंह कोचिला, दिग्विजय सिंह, पुष्पा सिंह, सरोज सिंह टेकाम, रनिया सिंह रौहाल, सुशीला सिंह मरकाम जूरी, लालमन सिंह, लालबहादुर सिंह, विनय गुप्ता, डी.के.सिंह गिजवार, एड.अवधेश सिंह सहित हजारों हजार की संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एड.अशोक पनिका एवं उपस्थित जनो के प्रति आभार तिलकराज सिंह उइके ने किया। कार्यक्रम में 12 से शाम 7 बजे तक भारी भीड़ रही। कार्यक्रम आयोजक श्री उइके द्वारा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किये गए थे।

सेमरिया बाजार में लग रहा जाम, यात्रियों को हो रही हैं भारी परेशानी

नवभारत न्यूज

सेमरिया 10 अगस्त। सेमरिया क्षेत्र में जाम की समस्या एक पुरानी समस्या बन गई है। सेमरिया बाजार से लेकर हनुमानगढ़ रोड तक अक्सर जाम की स्थिति निर्मित रहती है जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

जानकारी के मुताबिक जाम लगने का मुख्य कारण सेमरिया बाजार में व्यापारियों द्वारा घर के सामने गिट्टी, बालू, बिना साइड के ऑटो, दो पहिया वाहन और हाथ ठेला खड़ा करना है। इससे सड़क पर यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। हाल ही में 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन लगभग 5 घंटे से अधिक शाम को जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रशासन को प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। इससे न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि बाजार की स्थिति भी सुधरेगी।

इनका कहना है

कांग्रेस मंडलम अध्यक्ष बढ़ौरा दिनेश गुप्ता ने बताया कि सड़क में ऑटो और मोटरसाइकिल सहित हांथ ठेला और सड़क के किनारे गिट्टी और बालू जमा होने से जाम की स्थिति निर्मित होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा ध्यान दिया जाए तो जाम से निजात मिल सकता है।

दिनेश गुप्ता, मंडलम अध्यक्ष बढ़ौरा सेमरिया

औसत वर्षा 974.6 मिमी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 10 अगस्त को सीधी जिले में 9.5 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 13.5, चुरहट 0.0, गोपद बनास में 11.2, सिहावल में 0.0, बहरी में 22.0, मझौली में 0.0 और कुसमी में 20.1 मिमी. वर्षा हुई है। जिले में अब तक 974.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 1 जून से 10 अगस्त तक तहसील मझौली में सर्वाधिक वर्षा 1072.0 मिमी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 809.8, चुरहट में 925.0, गोपद बनास में 929.8, सिहावल में 1060.6, बहरी में 1061.1 और कुसमी में 963.9 मिमी. औसत वर्षा हुई है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 10 ग्राम पंचायतें सम्मानित

जनपद पंचायत सीधी में उन्नति सूचकांक 1.0 कार्यशाला में हुआ सम्मान

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अगस्त। जनपद पंचायत सभागार सीधी में 8 अगस्त 2025 को पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर जनपद पंचायत की 10 उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों को पंचायत उन्नत सूचकांक में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

जनपद पंचायत सीधी से पनवार चौहानन, पटेहरा खुर्द, भेलकी खुर्द, बरिगवां, गांधीग्राम, जमोड़ी सेंगरान, देवगढ़, पनवार बघेलान, जमोड़ी कला एवं ऐंठी 10 ग्राम पंचायत चयनित थीं। जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका के द्वारा पंचायतों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 के तहत ग्राम पंचायतों के मूल्यांकन और उन्हें पुरस्कृत करने का यह प्रयास ग्रामीण विकास को नई दिशा देने वाला साबित हो रहा है। इस कार्यशाला ने यह दर्शाया कि ग्राम पंचायतें न केवल प्रशासनिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि विकास के नए मानक भी स्थापित कर रही हैं।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार, जनपद सदस्य नीतू संदीप सिंह चौहान, वंशराखन सिंह, उमाशंकर यादव, विनोद सिंह परिहार एवं जनपद पंचायत से मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका, जनपद पंचायत के खण्ड पंचायत अधिकारी उमेश सोनी, मनरेगा शाखा से एपीओ दिनेश गौतम, प्रधानमंत्री आवास शाखा से राजेन्द्र मिश्रा व अनिल सिंह, स्वच्छ भारत मिशन से रमाकांत यादव, अन्य समस्त जनपद स्तरीय लाइन डिपार्टमेंट के कर्मचारी एवं राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक अजय कुमार गुप्ता, जनपद पंचायत सीधी से ब्लॉक समन्वयक विवेक मिश्रा, कम्प्यूटर ऑपरेटर दिवाकर सिंह जनपद पंचायत सीधी के समस्त कर्मचारी, समस्त पीसीओ, एडीओ एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सभी चयनित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव, ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष के द्वारा प्रतिभागियों को आभार व्यक्त किया गया एवं आगे अच्छा कार्य करने हेतु पंचायत उन्नत सूचकांक के आधार पर आगामी वित्त वर्ष में ए एवं ए प्लस कैटिगरी में आने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। कार्यशाला के अंत में सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हर घर तिरंगा अभियान गतिविधि के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

मोगली पलटन की कछुआ चाल रैली का संदेशा : गांव की आत्मा गाय में बसती है

नवभारत न्यूज

सेमरिया 10 अगस्त। ऋषिकेश फाउण्डेशन की बाल टोली मोगली पलटन द्वारा गाय हय ता गांव हय विषय को लेकर कछुआ चाल रैली आयोजित की गई।

रैली ग्राम हनुमानगढ़ के स्व.चन्द्रप्रताप तिवारी समाधि स्थल से प्रारम्भ हुई और मुख्य सड़क से गुज़रती हुई गांव के दूसरे छोर पर समाप्त हुई। रैली में शामिल बच्चे जबरदस्त उत्साह से गाय हय ता गांव हय, माटी कहय नारिआय के, गोबर नाबा गाय के, गोबर ना होय मोहर आय, गाय ना होय धरोहर आय, सेवा करबे गाय के, रोजगार पउबे धाय के नारे लगातार लगाते हुए चल रहे थे। ग्रामवासी घरों से निकलकर बाल टोली का उत्साहवर्धन करते नजर आए। रैली के दौरान गाय की चिट्ठी भी बांटी जा रही थी ताकि इस रैली का संदेश ग्रामवासियों तक पहुंच सके कि गाय उनसे क्या कहना चाहती है। आज गांव और किसान की सबसे बड़ी समस्या आवारा पशु बन चुके हैं। 1992 के उदारवाद के बाद आर्थिक विकास का जो मॉडल भारत में अपनाया गया है उसमें गांव और किसान हाशिये पर ढकेल दिए गए हैं। गांव पर शहर और शहर पर महानगर की निर्भरता का जो पिरामिड था वो अब शीर्षासन पर खड़ा हो गया है। गांव में दूध का उत्पादन घट रहा है और दूसरी ओर शहर में दूध की मांग बढ़ती जा रही है। परिणामत: मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों का एक विशाल काला बाजार खड़ा हो गया है।

यही हाल सब्जी को लेकर है, अब शहर की मंडी से गांव के घरों में जहरीली सब्जी आ रही है और दूसरी तरफ अरबों रुपए का आर्गेनिक ब्रांडिंग का बाजार महानगरों में पसर रहा है। अमेजन और फ्लिपकार्ट देश के किसी भी कोने में मिलने वाला उत्पाद गांव के हर टोले-मोहल्ले में पहुंचा रहे हैं और गांव का युवक बम्बई में रोज़ी कमाने नाला किनारे झुग्गी-बस्ती में रह रहा है। इन सभी समस्याओं का समग्र समाधान गाय है। यदि गाय को ग्रामीण विकास मॉडल के केन्द्र में रखा जाये तो गांव मजबूत होंगे और गांव मजबूत होंगे तो जड़ें मजबूत होंगी। ग्रामीण पलायन रुकेगा, शहरों पर बढ़ता बोझ घटेगा, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान होगा। मोगली पलटन का मानना है कि यदि भारत की आत्मा गांव में बसती है तो गांव की आत्मा गाय में बसती है।

स्वच्छता अभियान के साथ कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अगस्त। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मध्य प्रदेश शासन जिला सीधी के तत्वावधान में एक पेड़ मां के नाम एवं हर घर तिरंगा अभियान स्वच्छता के साथ कार्यक्रम के अंतर्गत गोपाल दास मंदिर प्रांगण में मातृ शक्तियों की उपस्थिति में जागरूकता रैली एवं पौधारोपण का कार्यक्रम किया गया।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मंशा अनुसार समाज के प्रत्येक व्यक्ति एवं मातृ शक्तियों के बीच में इस कार्यक्रम को पहुंचाकर जन-जन का कार्यक्रम बनाने हेतु जन अभियान निरंतर कार्य कर रहा है। आज के कार्यक्रम में आम, आंवला, बेल, अमरूद, कटहल, सहजन के पौधे का रोपण किया गया। कार्यक्रम में रश्मि दिव्यांग सेवा समिति तथा आयुष्मान कला समिति से क्रमश: विनय तिवारी एवं अजीता द्विवेदी उपस्थित रहे। परामर्शदाता अजीत वर्मा एवं भारी संख्या में मातृ शक्तियों उपस्थित रहे।

जिले में पारंपरागत रूप से भाईचारे के साथ मनाया गया कजलियां का पर्व

एक-दूसरे को कजलियां देकर दी गई शुभकामनाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में कजलियां को लेकर ज्यादा दिखा उत्साह

नवभारत न्यूज

सीधी 10 अगस्त। जिले में आपसी प्रेम और भाईचारे का प्रतीक कजलियां पर्व पूरे उत्साह के साथ आज मनाया गया। इस दौरान जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक कजलियों का त्यौहार पारंपरागत रूप से मनाया गया। जहां महिलाएं, पुरुष, बुजुर्गों ने अपनी सहभागिता निभाई।

नदी, तालाब और सरोवर में टोकरी और मिटटी को विसर्जित कर कजलियां लेकर लौटी महिलाओं व कन्याओं ने सबसे पहले मंदिरों में जाकर भगवान को समर्पित किया फिर रिश्तेदारो, परिचितों, पड़ोसियों एवं घर के सदस्यों को कजलियां दी। जहां बड़े बुजुर्गों ने छोटों को आशीर्वाद दिया तो वहीं छोटों ने बड़ों को प्रणाम किया। उल्लेखनीय है कि रक्षाबंधन के दूसरे दिन कजलियां मनाने यहां की पुरानी परंपरा है जो आज भी जीवंत है। यह पर्व आज भी पूरे उत्साह के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है। इस पर्व को लेकर इस वर्ष लोगों में काफी उत्साह रहा। सभी जाति-धर्म के लोग एक-दूसरे को कजलियां देकर शुभकामनाएं दी तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा दिया। बता दें कि कजलियों का पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन परीवा को धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व एक-दूसरे से मिलने-मिलाने वाला त्यौहार है। इस दिन लोग अपने से बड़ों को कजलियां देकर पैर छूते हुए आशीर्वाद मांगते है। हालांकि अब ये त्यौहार कुछ घरों तक ही सीमित रह गया है। मान्यता है कि गेंहू, जौ और बांस के बर्तनों में खेत की मिट्टी डालकर कजलियों का बीच नागपंचमी के दूसरे दिन ज्यादातर घरों में डाला जाता है। जबकि घर की कन्याएं व महिलाएं रक्षाबंधन तक जल देते हुए कजलियों का पौधा तैयार करती है।

सोशल मीडिया में चलता रहा शुभकामनाओं का दौर

कजलियां पर्व पर शुभकामनाएं देने का सिलसिला दिन भर चलता रहा। लोग अपने परिचितों, रिश्तेदारों को सोशल मीडिया के माध्यम से कजलियां पर्व पर शुभकामनाएं देने को लेकर ज्यादा उत्साहित नजर आ रहे थे। इसमें युवाओं के साथ अधेड़ और बुजुर्ग भी शामिल रहे। चर्चा के दौरान कुछ लोगों का कहना था कि पुरानी परंपरा के अनुसार तो कजलियां एक-दूसरे को भेंट कर शुभकामनाएं देने की परंपरा थी लेकिन बदलते समय में त्यौहार भी अब कुछ लोगों के बीच ही सिमटते जा रहे हैं। यह अवश्य है कि त्यौहार पर शुभकामनाएं देने में सोशल मीडिया अब बड़ा साधन बन चुका है। लोग भी सीधे मुलाकात कर शुभकामनाएं देने की बजाय अब सोशल मीडिया से ही बधाई और शुभकामनाएं देने को अहमियत देते हैं। कारण आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में समय का अभाव सबके सामने है।